व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

– बुनाई

के लिए

स्वयं सहायता समूह – जय माँ सकरैनी

एसएचजी/सीआईजी नाम	जय माँ सकरैणी
वीएफडीएस नाम	फ़िहड
रेंज	कमलाह
मंडल	जोगिन्द्रनगर

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्रमांक।	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	6
5.	बाजार की संभावना	6
6.	कार्यकारिणीसारांश	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
8.	उत्पादन का विवरणप्रक्रिया	7
9.	संकट विश्लेषण	7-8
10.	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	8
11।	विवरणअर्थशास्त्र का	8-9
12.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	10
13.	निधि के स्रोत	10-11
14.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	11
15.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	11
16.	किनाराकर्ज का भुगतान	11-12
17.	निगरानीतरीका	12
18.	टिप्पणी	12
19.	समूह सदस्य की तस्वीरें	13
20.	समूह फोटो	14
21.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	15
22.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	16

1. परिचय-

स्वेटर और कार्डिगन बुनने के साथ-साथ मोजे, मफलर, स्कार्फ, टोपी, दस्ताने आदि बुनना मुख्य रूप से ग्रामीण भारत की महिलाओं के बीच एक आम घरेलू गतिविधि है। अधिकांश महिलाएं इस IGA से अच्छी तरह वाकिफ हैं और वे अपने खाली समय में और साथ ही घर के अन्य कामों के साथ इसे खुशी-खुशी करती हैं। इस SHG की महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGA के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसे कमा सकें और मुश्किल समय के लिए कुछ बचत भी कर सकें। विभिन्न आयु वर्ग की 14 महिलाओं का एक समूह JICA परियोजना के तहत एक SHG बनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया, जो उन्हें इस IGA को सामूहिक रूप से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस IGA (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद, जय माँ सकरैनी SHG समूह ने सामूहिक रूप से बुनाई को अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में करने का निर्णय लिया है। जय माँ सकरैनी SHG का गठन वर्ष 2012 में किया गया था और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (JICA सहायता प्राप्त) के सुधार के लिए परियोजना के तहत भी शामिल किया गया है, जो VFDS फ़िहड के अंतर्गत आता है। इस SHG में 14 महिलाएँ हैं। इन महिलाओं को पहले से ही बुनाई का बहुत कम अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे इस कौशल को विकसित करेंगी और पेशेवर बन जाएँगी। वे बड़े पैमाने पर बुनाई करने में सक्षम होंगी और आत्मनिर्भर होंगी और आय उत्पन्न करेंगी। इस SHG की विस्तृत व्यवसाय योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर नीचे चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	जय माँ सकरैणी
2.	वीएफडीएस	फ़िहड
3.	रेंज	कमलाह
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	फ़िहड
6.	ब्लॉक ऑफिस	धरमपुर
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	14 महिलाएं
9.	गठन की तिथि	01-01-2012
10.	बैंक खाता सं.	33410102173
11।	बैंक विवरण	एचपीएससीबी लोंगानी
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	3000(200 प्रति व्यक्ति)
13.	कुल बचत	1,15,000
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम/ एफ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	चम्पा देवी	एफ	विनोद कुमार	सामान्य	अध्यक्ष	9816868210
2	सत्या देवी	एफ	हरि चंद	सामान्य	सचिव	9459322142
3	मीनू कुमारी	एफ	सुशील कुमार	सामान्य	सदस्य	9418319339
4	बबली देवी	एफ	सोमबीर गुलेरिया	सामान्य	सदस्य	9816340671
5	बिंतला देवी	एफ	योगेन्द्र पाल	सामान्य	सदस्य	9459069816
6	आरती देवी	एफ	वीरेंद्र कुमार	सामान्य	सदस्य	8628899748
7	कंचना देवी	एफ	राजेश कुमार	सामान्य	सदस्य	8628802663
8	जुल्फी देवी	एफ	रमेश चंद	सामान्य	सदस्य	7018796347
9	निशा देवी	एफ	भुट्टो राम	सामान्य	सदस्य	9805370145
10	रीता देवी	एफ	बीरी सिंह	सामान्य	सदस्य	9459902088
11	सुभद्रा कुमारी	एफ	अशोक कुमार	सामान्य	सदस्य	8894581094
12	ज्योति देवी	एफ	बसंत सिंह	सामान्य	सदस्य	8580700348
13	मीरा देवी	एफ	महेंद्र पाल	सामान्य	सदस्य	8988265459
14	शीतला देवी	एफ	राकेश कुमार	सामान्य	सदस्य	9805158709

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	115 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	2 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	धरमपुर- 10 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	सरकाघाट - 30 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	धरमपुर - 10 किमी सरकाघाट - 30 किमी मंडी - 115 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	धरमपुर और सरकाघाट

1.
2.
3.
4.
5.
6.

5. बाजार की संभावनाएं-

बुनाई का हुनर सीखने के बाद जय माँ सकरैनी स्वयं सहायता समूह अपने क्षेत्र और आस-पास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगा। फैशन में तेजी से हो रहे बदलाव के कारण बाजार में काफी संभावनाएं हैं, सर्दियों के मौसम में नए डिजाइन के स्वेटर या ऊनी कार्डिगन की मांग रहेगी। शुरुआत में SHG के प्राथमिक ग्राहक ज्यादातर फिहाद गांव के आसपास के स्थानीय लोग होंगे, लेकिन बाद में आस-पास के छोटे कस्बों में जाकर इस व्यवसाय को बढ़ाया जा सकता है। इस क्षेत्र में सर्दी का मौसम काफी महत्वपूर्ण होता है और यह 4-5 महीने तक रहता है।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	गांव कवर - फ़िहड
2	सिलाई कार्य की मांग	वर्ष भर तथा सर्दियों के मौसम में इसकी मांग अधिक रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं से ऑर्डर लेंगे (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर)।

6. कार्यकारी सारांश-

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा बुनाई आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी। सदस्य इस गतिविधि को अलग-अलग कर रहे हैं, लेकिन अब वे अपने कौशल को बढ़ाने के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद इस गतिविधि को थोड़े बड़े पैमाने पर और योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए हाथ मिला रहे हैं। इस समूह द्वारा विभिन्न प्रकार के ऊनी उत्पाद बनाए जाएंगे। वे सभी आयु वर्ग और लिंग को लक्षित करेंगे।सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की योजना सावधानीपूर्वक बनाई गई है ताकि प्रत्येक सदस्य IGA को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप उनकी जेब में अतिरिक्त पैसा आए। यह SHG आने वाले वर्षों में अपने संचालन के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ सबसे प्रसिद्ध बुनाई केंद्र बनना सुनिश्चित करेगा।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	ऊनी कार्डिगन
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

1	समय लिया	एक स्वेटर बनाने में लगभग 5-6 घंटे लगते हैं।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5	प्रतिदिन अपेक्षित स्वेटर	शुरुआत में 14 स्वेटर

9. स्वोट अनालिसिस-

- ताकत
  - कुछ SHG सदस्यों द्वारा पहले से ही गतिविधि की जा रही है
  - कच्चा माल आस-पास के बाजारों से आसानी से उपलब्ध है
  - विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
  - उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
  - परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- कमजोरी
  - तकनीकी जानकारी का अभाव।
- अवसर
  - नवीनतम डिजाइन वाले अच्छे उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

❖ खतरे और जोखिम

- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर
- निर्माण और कौशल उन्नयन।

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य काम को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच काम उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार बांटा जाएगा। चूंकि यह एसएचजी में उनके नियमित घरेलू काम के अलावा एक अतिरिक्त गतिविधि है, इसलिए परिणाम प्रत्येक सदस्य के काम के घंटों के अनुपात में होगा। हमेशा शुरुआत में उत्पादन को रूढ़िवादी पक्ष पर रखना बेहतर होता है जिसे हमेशा समय बीतने और कार्य अनुभव के साथ बढ़ाया जा सकता है। इसलिए, यह माना जाता है कि प्रत्येक सदस्य अंतिम तैयार उत्पाद के रूप में प्रतिदिन एक वस्तु का उत्पादन करेगा और प्रतिदिन 14 वस्तुएं बिक्री के लिए उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

11.अर्थशास्त्र का विवरण -

ए. पूंजीगत लागत				
क्र. सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु.)
1	पंच कार्ड बुनाई मशीन	1	24000	24000
2	बुनाई मशीन (सरल)	14	6000	84000
3	बुनाई डिजाइन पुस्तक	1	1500	1500
4	गोला बनाने की मशीन	14	600	8400
5	काम करने की मेज	14	1500	21000
6	प्लास्टिक की कुर्सियाँ	14	600	8400
कुल पूंजी लागत (ए) = 1,47,300 रुपये				

B. आवर्ती लागत			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	कुल राशि (रु.)
1	पानी और बिजली	महीना	1000
2	कमरे का किराया	महीना	1500
3	टूट फूट	महीना	1400
4	स्नेहन तेल और पिपेट	महीना	1400

5	विभिन्न रंग और गुणवत्ता के बुनाई धागे	महीना	70,000
कुल आवर्ती लागत = 75,300			

नोट- समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे, इसलिए श्रम लागत इसमें शामिल नहीं की गई है तथा सदस्य आपस में कार्यसूची का प्रबंध करेंगे।

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	75300
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (1,47,300)	14730
कुल = 90,030		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	मात्रा
1	सरल स्वेटर	1	500
2	लम्बे स्वेटर, बटन वाले स्वेटर।	1	700

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	14730
2	कुल आवर्ती लागत	75300
3	प्रति माह कुल बुना हुआ स्वेटर	420
4	स्वेटर का विक्रय मूल्य	420×500
5	आय पीढ़ी	2,10,000
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	2,10,000 - 75,300 =1,34,700

7	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

12. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्रमांक।	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	1,47,300	1,10,475	36,825
2	कुल आवर्ती लागत	75,300	0	75,300
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	60,000	60,000	0
कुल		2,82,600	1,70,475	1,12,125

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- चूंकि समूह महिलाओं का है और वे गरीब हैं, इसलिए 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

13. निधि के स्रोत -

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिला वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य वर्ग से हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	खरीद मशीनों/उपकरणों की संख्यासभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा यह कार्य किया जाएगा।
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं तथा परियोजना को शेष	

	75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

14. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

15. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति स्वेटर)-उत्पादन लागत (प्रति स्वेटर))

=1,47,300/ (500-420)

= 1842

इस प्रक्रिया में 1842 स्वेटर बुनने के बाद लाभ-हानि की प्राप्ति हो जाएगी।

16. बैंक ऋण चुकौती-

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

17.निगरानी विधि-

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

18.टिप्पणी

सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं। परियोजना को शेष 75% राशि वहन करनी होगी।

19.समूह सदस्य फ़ोटो:

चंपा देवी

सत्या देवी

बबली देवी

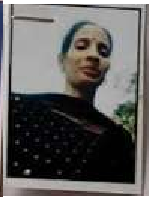
सुभद्रा देवी

शीतला देवी

आरती देवी

मोनू देवी

निशा देवी

मीरा देवी

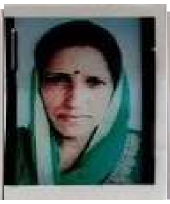
रीता देवी

ज्योति देवी

जुल्फी देवी

भींटला देवी

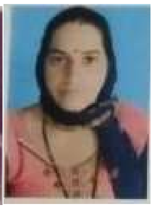
कंचना देवी

20.समूह फोटो:

21.संकल्प-सह-समूह-सहमति प्रपत्र:

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group *Jai Maa Sakraini* held on *02-07-2022* at *Fihad* that our group will undertake the *knitting* as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Champa Devi सचिव *सत्या देवी*

Signature Of group President

Signature Of group secretary

Signature of President VFDS

प्रधान ग्राम वन वि... फिहड़
ग्राम पंचायत
तहसील, धर्मपुर, जिला मण्डी (हि०प्र०)

``

22.वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यवसाय योजना अनुमोदन:

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Jai Maa Sakraini Group will undertake the Knitting as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 2,82,600 has been submitted by the group on 02-07-2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Fihad.

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Champa Devi सत्या देवी

सचिव जय माँ सकैणी स्वयं सहायता समूह

Signature Of group President Signature Of group secretary

Signature of President VFDS
ग्राम वन विकास समिति फिहड़
ग्राम पंचायत सरी
तहसील, धर्मपुर, जिला मण्डी (हि०प्र०)

Approved

DMU cum DFO Joginder Nagar

Divisional Forest Officer
Joginder Nagar